

[This question paper contains 8 printed pages.]

2085

Your Roll No. ....

LL.B. / V Term

D

Paper LB-501 – CIVIL PROCEDURE

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately  
on receipt of this question paper.)

Note :- Answers may be written either in English or in Hindi;  
but the same medium should be used throughout the  
paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा  
में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any **Five** questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. (a) An A.S.I. was dismissed from service by the D.I.G. He challenged the said decisions by filing a writ petition in the High Court on the ground that he was not afforded a reasonable opportunity. The

P.T.O.

writ petition was dismissed. He then filed a civil suit and raised an additional plea that he was appointed by the I.G.P. and, therefore, D.I.G., being lower in rank, was not competent to pass an order against him. In this civil suit, contention of State is that the suit is barred by res judicata. Decide. (10)

(b) Differentiate between order, Decree and Judgement. (10)

(क) पुलिस के उपमहानिरीक्षक द्वारा एक सहायक उपनिरीक्षक को सेवा से पदच्युत कर दिया गया। उसने इस आधार पर उक्त विनिश्चय को उच्च न्यायालय में रिट फाइल करके आक्षेपित किया कि उसे उचित अवसर प्रदान नहीं किया गया। रिट याचिका स्वारिज कर दी गई। फिर उसने सिविल वाद फाइल किया तथा अतिरिक्त अभिवचन किया कि उसको पुलिस महानिरीक्षक द्वारा नियुक्त किया गया था अतः पुलिस उपमहानिरीक्षक का रैंक निम्नतर होने के कारण वह उसके विरुद्ध आदेश पारित करने के लिए सक्षम नहीं था। इस सिविल वाद में राज्य का प्रतिविरोध यह है कि वाद पूर्वन्याय द्वारा वर्जित है। विनिश्चय कीजिए।

(ख) आदेश, डिक्री तथा निर्णय के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. (a) What do you understand by “triable issue” in a summary suit? Discuss with the help of relevant case laws. (10)

(b) (i) 'X' residing in Delhi, publishes statements defamatory to 'Y' in a daily newspaper of Delhi, which is also circulated in Noida, Gurgaon and Sonapat. Advise 'Y' as to place of where he should file the suit. (5)

(ii) 'A' & Co. enters into contract with 'B' in Delhi, where 'B' resides. The jurisdictional clause of the contract says in case of a dispute between the parties, suit shall be filed at Mumbai, where 'A' and Co. has its head office. Contract is breached by 'B' at Delhi. 'A' and Co. files suit in Mumbai Court. Decide. (5)

(क) संक्षिप्त वाद में "विचारणीय विवादक" से आप क्या समझते हैं ?  
सुसंगत निर्णय विधि की सहायता से विवेचन कीजिए ।

(ख) (i) दिल्ली के एक दैनिक समाचार-पत्र में, जिसका प्रसारण नोएडा, गुड़गांव और सोनीपत में भी होता है, दिल्ली निवासी X ने Y के लिए एक मानहानिकारक वक्तव्य प्रकाशित करा दिया । आप Y को उस स्थान की सलाह दीजिए जहां उसे वाद फाइल करना चाहिए ।

(ii) A एंड कम्पनी ने B के साथ दिल्ली में जहां वह रहता है, एक संविदा की । दोनों पक्षकारों के बीच हुए विवाद के मामले में संविदा के अधिकारिता सम्बन्धी खंड में लिखा है,

वाद मुम्बई में, जहां A एंड कम्पनी का मुख्यालय है, ही फाइल किया जाएगा। दिल्ली में B द्वारा संविदा भंग की गई। A एंड कम्पनी मुम्बई न्यायालय में वाद फाइल कर देती है। विनिश्चय कीजिए।

3. (a) What are the conditions for filing a second appeal ?  
“Substantial question of law is not necessarily a question of public importance.” Comment. (10)

(b) What kind of suits courts have jurisdiction to try ?  
Where an issue is within the exclusive jurisdiction of the Mamlatdar does a civil court have jurisdiction to decide or deal with the same ?  
(10)

(क) द्वितीय अपील फाइल करने हेतु क्या शर्तें हैं ? “सारवान् विधि प्रश्न अनिवार्य रूप से लोक महत्व का प्रश्न नहीं है।” टिप्पणी लिखिए।

(ख) न्यायालयों के पास किस-किस प्रकार केवादों के विचारण की अधिकारिता होती है ? कहां पर सिविल न्यायालय को उस विवाद्यक का विनिश्चय करने या उस पर कारवाई करने की अधिकारिता है जिसमें मामलातदार की अनन्य अधिकारिता होती है ?

4. (a) Pretam Das s/o Shyam Sunder Lal, sole proprietor of M/s Shyam Sunder Lal & Sons, filed a suit for recovery of Rs. 10 lacs against National Capital investment Group in the name of M/s Shyam

Sunder Lal & Sons. The said suit is challenged by the defendant contending that the plaintiff was an un-registered firm and on that account incompetent to sue. Plaintiff applies to amend the plaint. Discuss under what circumstances amendment of pleadings is permissible. (10)

- (b) What do you understand by the principle of res sub judice? What is the meaning of "trial" in reference to the above said principle? (10)

(क) मैसर्स श्याम सुन्दर लाल एंड सन्स के एकमात्र स्वत्वधारी प्रीतमदास-सुपुत्र श्याम सुन्दर लाल ने मैसर्स श्याम सुन्दर लाल एंड सन्स के नाम से नेशनल केपिटल इन्वेस्टमेंट ग्रुप के विरूद्ध 10 लाख रुपए की वसूली हेतु एक वाद फाइल किया। प्रतिवादी द्वारा यह प्रतिवाद करते हुए उक्त वाद पर आक्षेप किया गया कि वादी एक अरजिस्ट्रीकृत फर्म थी जिसके कारण वह वाद लाने के लिए सक्षम नहीं है। वादी वादपत्र को संशोधित करने के लिए अर्जी देता है। विवेचन कीजिए किन परिस्थितियों में अभिवचन का संशोधन अनुमति योग्य है ?

(ख) न्यायाधीन के सिद्धान्त से आपका क्या अभिप्राय है ? उक्त सिद्धान्त के सन्दर्भ में "विचारण" का क्या अर्थ है ?

5. (a) Discuss the provisions relating to additional evidence in appellate court. Is it permissible at the second appellate stage? (10)

(b) What are the conditions for filing suits by or against the Government ? Is there any exception to the compliance of such conditions ? (10)

(क) अपीलीय न्यायालय में अतिरिक्त साक्ष्य सम्बन्धी उपबन्धों का विवेचन कीजिए। क्या द्वितीय अपीलीय अवस्था पर इसकी अनुमति दी जा सकती है ?

(ख) सरकार द्वारा या सरकार के विरुद्ध वादों को फाइल करने हेतु क्या शर्तें हैं ? क्या उक्त शर्तों के अनुपालन के प्रति कोई अपवाद है ?

6. (a) What should a court do when Plaintiff is present and Defendant is absent ? What remedies are available to Defendant in such a case ? What is the procedure if Defendant appears on the first date of hearing and Plaintiff does not appear ? (10)

(b) Explain with the help of relevant case laws under what conditions the court can entertain a petition of review.

What do you understand by Reference ? (10)

(क) न्यायालय को तब क्या कारवाई करनी चाहिए जब वादी उपस्थित तथा प्रतिवादी अनुपस्थित हो। ऐसे मामले में प्रतिवादी को क्या उपचार सुलभ हैं ? यदि सुनवाई की पहली तारीख को प्रतिवादी उपस्थित रहता है तथा वादी उपस्थित नहीं होता है तबके बारे में क्या प्रक्रिया है ?

(ख) सुसंगत निर्णय-विधि की सहायता से विवेचन कीजिए न्यायालय किन शर्तों के अधीन पुनर्विलोकन की याचिका को ग्रहण कर सकता है ?

निर्देश से आपका क्या अभिप्राय है ?

7. (a) "Power to grant injunction under order 39, CPC is extraordinary in nature and it must be exercised in accordance with sound judicial principles." Explain the principles involved. (10)

(b) When is a foreign judgement considered not binding ? (10)

(क) "सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 39 के अन्तर्गत व्यादेश प्रदान करने की शक्ति असाधारण स्वरूपी होती है जिसको ठोस न्यायिक सिद्धान्तों के अनुसार ही प्रयुक्त किया जाना चाहिए।" इसमें समाहित सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए।

(ख) किसी विदेश के निर्णय को कब बाध्यकर नहीं माना जाता है ?

8. Write short note on any 3 of the following : (20)

(i) Rejection of Pleint

(ii) Significance of ADR under Section 89, CPC

(iii) Power of High Court to transfer suits

(iv) Relinquishment of claim under Order II Rule 2

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (i) वादपत्र की अस्वीकृति
- (ii) CPC की धारा 89 के अन्तर्गत ADR की सार्थकता
- (iii) वादों के अन्तरण सम्बन्धी उच्च न्यायालय की शक्ति
- (iv) नियम 2 आदेश II के अन्तर्गत दावे का त्यजन